सांध्य दैनिक
4PM
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
जिद...सच की
● वर्ष: 11 ● अंक: 263 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार 1 नवम्बर, 2025
मूल्य ₹ 3/-

मनुष्य को सिर्फ रोटी के लिए नहीं जीना चाहिए, बल्कि ईश्वर के मुख से निकले हुए हर शब्द के मुताबिक जीना चाहिए।

-जीसस क्राइस्ट

पहला खिताब जीतने के इरादे से... 7 | टल नहीं रहा है सिद्धारमैया पर... 3 | भाजपा सरकार पटेल के विचारों... 2

एक और मंदिर में भगदड़ फिर खुली सरकार की पोल

आंध्र प्रदेश के वेंकटेश्वर मंदिर में भगदड़, मौत का कोहराम

» एकादशी के लिए उमड़ी थी श्रद्धालुओं की भीड़, नौ से ज्यादा लोगों ने जान गंवाई

» सीएम चन्द्राबाबू नायडू ने जताया दुख कहा व्यक्तिगत रूप से व्यथित

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम जिले के काशीबुग्गा स्थित वेंकटेश्वर मंदिर में आज सुबह जो हुआ उसने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। भगवान के दरबार में श्रद्धा से भरे कदम अचानक मौत की दौड़ में बदल गए। कुछ ही पलों में जय-जयकार के स्वर चीख-पुकार में तब्दील हो गए। मंदिर की सीढ़ियों पर गिरते-पड़ते लोगों की लाशें फर्श पर बिखरी चप्पलें, टूटे प्रसाद के थाल यह दृश्य किसी भी इंसान का दिल हिला देने वाला था।

सवाल उठता है कि आखिर हर त्योहारी भीड़ क्यों ऐसी त्रासदियों में तब्दील हो जाती है? यह सिर्फ वेंकटेश्वर मंदिर का हादसा नहीं है। यह एक बार फिर उस लापरवाह व्यवस्था का चेहरा उजागर करता है जो हर बार जांच के आदेश देकर खुद को बरी कर लेती है। कुछ ही महीने स्टेडियम में जीत सेलीब्रेशन पर एक भंयकर हादसा हुआ था। वही कुंभ हादसे में मारे गये लोगों की सिसकिया अभी पूरी तरह से शांत नहीं हुई हैं। और अब भगवान के नाम पर हुई मौतें एक बार फिर बताती हैं कि भारत में भीड़ प्रबंधन और प्रशासनिक तैयारी केवल फाइलों तक सीमित है। हर हादसे के बाद वही बयान वही संवेदना वही वादे लेकिन नतीजा वही शून्य। सरकारें श्रद्धा की राजनीति करती हैं मगर श्रद्धालुओं की सुरक्षा के नाम पर मौन रहती हैं। आस्था के इस विशाल बाजार में इंसान की कीमत शायद अब दर्शन पास और वीआईपी एंट्री से भी कम रह गई है।

उफ्फ... अफसोस सिर्फ जांच जारी है

वेंकटेश्वर मंदिर की सीढ़ियों पर जो श्रद्धालु गिरे, वे किसी धर्म के नहीं बल्कि प्रशासनिक असफलता के शिकार थे। आस्था के नाम पर बार-बार मरते लोगों की यह कहानी अब बंद होनी चाहिए। कभी क्रिकेट स्टेडियम में, कभी मंदिर में, कभी कुंभ में अगर हर जगह मौत की भीड़ दौड़ रही है तो यह सिर्फ भीड़ की गलती नहीं। यह उस व्यवस्था की नाकामी है जो हर बार कहती है कि जांच जारी है और अगली दुर्घटना का इंतजार करती है।

सीएम ने दिये जांच के आदेश

मुख्यमंत्री नायडू ने हादसे पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि वेंकटेश्वर मंदिर जैसे पवित्र स्थल पर हुई यह दुर्घटना अत्यंत दुखद है और इससे वह व्यक्तिगत रूप से भी व्यथित हैं। उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार इस कठिन समय में पीड़ित परिवारों के साथ खड़ी है। सीएम ने आधिकारिक एक्स पोस्ट के माध्यम से कहा है कि काशीबुग्गा में वेंकटेश्वर मंदिर में भगदड़ की घटना से मुझे गहरा आघात पहुंचा है। इस हादसे में श्रद्धालुओं की मौत अत्यंत दुखद है। मैं मृतकों के परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। उन्होंने आगे लिखा कि जिला प्रशासन और संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गये हैं कि घायलों को तुरंत और उचित इलाज उपलब्ध कराया जाए। साथ ही उन्होंने कहा कि स्थानीय अधिकारी और जनप्रतिनिधि घटनास्थल का दौरा करें और राहत व बचाव कार्यों की स्वयं निगरानी करें। सीएम नायडू ने अधिकारियों को यह भी कहा कि अस्पतालों में घायलों के इलाज की हर संभव व्यवस्था की जाए ताकि किसी भी घायल को किसी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने जनता से भी अपील की कि अफवाहों से बचें और राहत कार्यों में प्रशासन की मदद करें। राज्य सरकार ने हादसे की जांच के आदेश दे दिए हैं।

व्यवस्था दोषी, सरकार जिम्मेदार

भारत में धार्मिक स्थलों पर भगदड़ कोई नई बात नहीं। कुंभ मेले से लेकर सबरीमाला, वैष्णो देवी, पंडरपुर, और अब वेंकटेश्वर मंदिर। हर जगह एक जैसी कहानी दोहराई गयी दिखती है। रिपोर्ट्स बताती हैं कि अधिकतर हादसे तब होते हैं जब एंट्री और एग्जिट प्वाइंट स्पष्ट नहीं होते। श्रद्धालुओं को दिशा-निर्देश नहीं दिए जाते और और प्रशासन केवल वीआईपी व्यवस्थाओं में उलझा रहता है। भारत में धार्मिक आस्था गहरी है। लोग अपने परिवार, बच्चों, बुजुर्गों के साथ घंटों दर्शन के लिए लाइन में खड़े रहते हैं। भीड़ बढ़ते ही मनोवैज्ञानिक घबराहट फैल जाती है और यही से शुरू होता है हादसे का कारण भीड़ किसी भी दिशा में जाने लगती है जिससे भगदड़ की चेन बन जाती है। सरकारें इस सामाजिक मनोविज्ञान को समझने की कोशिश ही नहीं करतीं। भीड़ प्रबंधन का विज्ञान जिसे जापान या साउथ कोरिया जैसे देशों ने अपना लिया है भारत में आज भी पंडाल लगाने तक सीमित है।

भाजपा सरकार पटेल के विचारों के साथ खिलवाड़ कर रही : अखिलेश

सपा मुखिया का भाजपा पर प्रहार

बोले-एसआईआर में जाति का कॉलम भी बढ़ाया जाए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने कहा, मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में जाति का कॉलम भी बढ़ाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि चैट जीपीटी की मानें तो आरएसएस ने ऐसा वातावरण पैदा किया, जिससे नाथूराम गोडसे ने महात्मा गांधी की हत्या की। भाजपा सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने वाली पार्टी है। साथ ही कहा कि सपा की सत्ता आने पर लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल के नाम पर तकनीकी विश्वविद्यालय बनाएंगे।

प्रदेश सपा मुख्यालय पर वल्लभ भाई पटेल और समाजवादी चिंतक नरेंद्र देव की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर अखिलेश यादव ने कहा कि सरदार पटेल का जो रास्ता था, वही पीडीए का रास्ता है। भाजपा सरकार पटेल के विचारों के साथ खिलवाड़ कर रही है। सरदार पटेल ने नफरत फैलाने पर आरएसएस पर प्रतिबंध लगाया था। अखिलेश ने कहा, माफिया विकास दुबे की गाडी इसलिए पलटाई गई थी कि कहीं उसके खुलासों से सरकार न पलट जाए। उन्होंने फिर दोहराया कि कानपुर के अखिलेश दुबे को भी सत्ता के संरक्षण के चलते बचाया जा रहा है। उन्होंने दीपोत्सव को लेकर उनके बयान को तोड़-मरोड़कर पेश करने का आरोप मीडिया पर लगाया।

सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने वाली पार्टी है बीजेपी

उन्होंने कहा कि जाति के नाम पर जितना भेदभाव भारत में हुआ, उतना दुनिया के किसी अन्य देश में नहीं दिखा। सपा अध्यक्ष ने कहा कि मेरठ में दुकानें गिराए जाने पर कहा कि भाजपा सरकार उन्हें वोट देने के एवज में रिटर्न गिफ्ट दे रही है। नेहरू के कारण कश्मीर का भारत में विलय न हो पाने संबंधी सत्ता पक्ष के बयान पर उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार बताए कि 2014 में और आज भारत का कुल क्षेत्रफल कितना है। उन्होंने अमेरिकी टैरिफ को लेकर भाजपा सरकार की नीतियों पर निशाना साधा। अखिलेश यादव ने कहा कि जानकारी मिली है कि भाजपा सरकार मंडियों को निजी हाथों में सौंप रही है। किसानों के दबाव में रद हुए तीन कृषि काले कानूनों में मंडियों का निजीकरण भी शामिल था, जिसका विरोध किया गया था। अब पिछले दरवाजे से उन्हीं फैसलों को पुनः लागू किया जा रहा है।

रोजगार की गारंटी हो तो अडानी को फ्री में दे दें जमीन

अखिलेश यादव ने एक सवाल के जवाब में कहा, मैं तेजस्वी से कहूंगा कि वे बिहार में अडानी का एक रुपये भी वापस कर दें और 10 हजार लोगों को नौकरी देने का शपथपत्र उनसे ले लें। यहां बता दें कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बिहार में अडानी को एक रुपये लीज पर जमीन देने की आलोचना की थी।

सरकार ने गन्ना मूल्य का विज्ञापन अंग्रेजी अखबार में छपवाया

सपा मुखिया ने तंज कसते हुए कहा कि सरकार ने गन्ना मूल्य और भुगतान करने का विज्ञापन अंग्रेजी अखबार में छापा। बताओ कितने किसान अंग्रेजी में यह जानकारी पढ़ पाएंगे। बहराइच की गन्ना मिल बंद हो गई। जिम्मेदार किसानों का करोड़ों रुपया लेकर भाग गए। ये सब सरकार के पोषित लोग हैं। अब सरकार मंडियां बेचना चाहती है।

इस सरकार में इलाज कराना भगवान भरोसे है

सपा मुखिया ने कहा कि सबसे अधिक असुरक्षित महिलाएं व बेटियां भाजपा सरकार में हैं। इस सरकार में दलित, पिछड़े मारे जा रहे हैं। स्वास्थ्य क्षेत्र में कोई बहुत काम नहीं हुआ। एंबुलेंस हम लोगों ने चलवाई थीं। सरकार आने पर इनकी संख्या बढ़ाई जाएगी। आज जब भाजपा के बड़े नेताओं को इलाज कराना होता है तो सपा सरकार में बनवाए गए मेदांता में इलाज कराने जाते हैं। इस सरकार में इलाज कराना भगवान भरोसे है।

मुख्यमंत्री को नाम बदलने का पुराना शौक

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को नाम बदलने का पुराना शौक है। यदि आपको ओसामा बिन नाम पसंद नहीं था, तो एआई से पूछते इसका हिंदी नाम बताए। यदि वह हिंदी नाम शेर सिंह बताता तो वही कर देते। धरती पर यदि किसी के साथ सबसे भेदभाव हुआ है तो वह हैं दलित। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने संघ पर बैन की बात कही है। हम उनसे सहमत हैं। अखिलेश ने कहा कि जैट जीपीटी की मानें तो आरएसएस ने ऐसा वातावरण पैदा किया, जिससे नाथू राम गोडसे ने गांधी जी की हत्या की।

सपा मुखिया की राजनीति अब कृत्रिम : ब्रजेश पाठक

सपा मुखिया अखिलेश यादव के बयान के बाद पलटवार करते हुए डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा, सपा मुखिया अखिलेश यादव उत्तर प्रदेश में सर को लेकर डरे हुए हैं। प्रदेश में घुसपैठियों की पहचान और उन्हें मतदाता सूची से हटाने की प्रक्रिया शुरू होते ही सपा नेताओं की बेचैनी बढ़ गई है। सपा मुखिया अखिलेश यादव की राजनीति अब इतनी कृत्रिम हो गई है, मानो चैट जीपीटी से बनी हो। उनके पास न विजन है, न जमीन और न ही जज्बा। वो अब सिर्फ कॉपी पेस्ट की राजनीति कर रहे हैं। उनके बयान और विचार दूसरों के हैं और चिंता सिर्फ कुर्सी की है। सपा जाति और धर्म के नाम पर समाज को बांटने का काम करती है और भाजपा सबका साथ सबका विकास की विचारधारा पर विकास पथ पर अग्रसर है। यह कहना है प्रदेश के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक का। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव जाति का कार्ड खेलकर घुसपैठियों को बचाने का प्रयास कर रहे हैं। लगातार हार के बाद अखिलेश यादव यूपी में जातिगत गोलबंदी कर अपनी खोई हुई जमीन प्राप्त करने को प्रयासरत हैं।

मप्र के परिवहन विभाग में फिर हो रहा है घोटाला : सिंघार

» पोस्टिंग और वसूली का खेल चल रहा है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्यप्रदेश के परिवहन विभाग में एक बार फिर घोटाले के आरोपों ने सियासत गर्मा दी है। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने विभाग में पोस्टिंग और वसूली के नए रैकेट के गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि परिवहन विभाग में एक नया सौरभ शर्मा जन्म ले चुका है और मंत्री के स्टाफ में पदस्थ बताए जा रहे वीरेन्द्र तिवारी इस पूरे खेल में सीधे तौर पर शामिल हैं।

सिंघार ने कहा कि रिटायर्ड आरटीआई बघेल नामक व्यक्ति पूरे प्रदेश में पोस्टिंग के

नाम पर बोली लगवा रहा है और नाकों से वसूली का जाल फैला चुका है। उन्होंने ङ्ग (पूर्व ट्विटर) पर बघेल और वीरेन्द्र तिवारी की तस्वीरें साझा करते हुए लिखा परिवहन विभाग अब भ्रष्टाचार की सड़क पर तेज़ रफ्तार से दौड़ रहा है। यहां योग्यता नहीं, बल्कि जेब की गहराई तय करती है कि किसकी पोस्टिंग कहां होगी। सरकार इस पूरे खेल पर चुप है और विभाग में सौदेबाज़ी सिस्टम की जगह ले चुकी है। सिंघार ने आगे कहा कि भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस की बात करने वाली भाजपा सरकार अब विभागों में नए दलाल पैदा कर रही है। परिवहन विभाग की गाड़ी बिना ब्रेक के दौड़ रही है और सरकार सिर्फ ड्राइवर बदलने में लगी है।

मंत्री बोले-बिना सबूत कीचड़ न उछालें

इन आरोपों पर परिवहन मंत्री राव उदय प्रताप सिंह ने कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि नेता प्रतिपक्ष को तथ्यों की जांच किए बिना सार्वजनिक मंचों पर बयानबाजी नहीं करनी चाहिए।मैंने हमेशा कहा है कि जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों को बिना सबूत किसी पर आरोप नहीं लगाना चाहिए। सार्वजनिक जीवन में कीचड़ उछालने से नुकसान सबका होता है। मेरी राजनीति पारदर्शिता और नैतिक मूल्यों पर आधारित है। उन्होंने आगे जोड़ा कि अगर विपक्ष के पास ठोस सबूत हैं, तो वे उन्हें न्यायालय या संबंधित एजेंसियों के समक्ष प्रस्तुत करें। तथ्यहीन और मनगढ़ंत आरोपों से जनता को भ्रमित करना अनुचित है।

बिहार भगवान भरोसे चल रहा है : अखिलेश प्रसाद

» कांग्रेस सांसद का एनडीए पर निशाना, कहा- नीतीश कुमार के शासनकाल में 53000 हत्याएं हुईं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष, राज्यसभा सांसद और कांग्रेस वर्किंग कमेटी के मेंबर अखिलेश प्रासद सिंह ने एनडीए की सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार के शासनकाल में 53000 हत्या हुई हैं। मोकामा में अभी हत्या (दुलारचंद यादव) हो गई. उन्होंने कहा कि बिहार भगवान भरोसे चल रहा है।

कांग्रेस सांसद ने कहा कि नीतीश कुमार के साथ जो व्यवहार किया गया वह बिहारी का अपमान है। नीतीश कुमार का चेहरा आगे करके उनके वोट बैंक का इस्तेमाल किया जा रहा है। उनके वोट बैंक को छीनने की कोशिश कर जा रही है। नीतीश कुमार को बीजेपी पीछे करेगी और यही और भी घटक दल के साथ होने वाला

है। एनडीए के घोषणापत्र पर उन्होंने कहा, मैं पत्रकारों से माफी मांगता हूं कि जो आज एनडीए की घोषणा पत्र में हुआ मैं घर में देख रहा था। 7 सेकेंड का यह फोटोशूट हुआ।

इसका मतलब है कि नीतीश कुमार को कठपुतली बनाकर सरकार चलाई जा रही है। प्रधानमंत्री और अमित शाह सरकार चला रहे हैं। जो भी नीतियां निर्धारित की जा रही हैं, वह दोनों नेताओं के द्वारा किया जा रहा है।

लोगों से मिलने जुलने से बचने की सलाह : राउत

» गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित हैं शिवसेना यूबीटी नेता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिवसेना यूबीटी नेता संजय राउत ने शुक्रवार को कहा कि उन्हें गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं हो गई हैं और उनका इलाज जारी है। साथ ही राउत ने कहा कि उन्हें लोगों से मिलने-जुलने से बचने की सलाह दी गई है। राउत ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में यह भी उम्मीद जताई कि अगले साल तक उनका स्वास्थ्य अच्छा हो जाएगा।

उन्होंने लिखा, ''आप सभी ने मुझे प्यार दिया और मुझ पर भरोसा किया। लेकिन मुझे गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं हो गई हैं और मैं इलाज करा रहा हूं। मैं इससे उबर जाऊंगा। चिकित्सकीय सलाह के अनुसार, मुझे बाहर न निकलने और सार्वजनिक स्थानों पर न जाने की सलाह दी गई है।'हालांकि, राउत ने इस बारे में विस्तार से कुछ नहीं बताया। सत्तारूढ़ भाजपा के कटु आलोचक और महाराष्ट्र में विपक्ष की मुखर आवाज, राज्यसभा सदस्य राउत रोजाना मीडिया से बातचीत करने के लिए जाने जाते हैं। एक नवंबर को निर्वाचन आयोग के खिलाफ विपक्षी दलों का विरोध प्रदर्शन हैं, जिसमें राउत के भाग लेने की उम्मीद जताई गई थी।

टल नहीं रहा है सिद्धारमैया पर से खतरा

कर्नाटक सरकार को हाईकोर्ट से बड़ा झटका

- सीएम के बेटे के बयान पर घमासान
- अहिंदा संगठनों ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी से अपील
- बने रहें पांच साल तक सीएम
- संघ पर रोक का फैसला उल्टा पड़ा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मैसुरु। कर्नाटक में सिद्धारमैया पर मुश्किले कम नहीं हो रहीं हैं। समय-समय पर उनके कार्यकाल को लेकर चर्चा उठती है तो सफाई देना पड़ता है। अब नया झटका उन्हें अदालत से मिला है। कोर्ट ने संघ पर उनकी सरकार के रोक के फैसले को रोक दिया है। हालांकि उनके पक्ष में अब भी कई लोग खड़े हैं। मैसुरु में अहिंदा संगठनों ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी से अपील की है कि वे यह घोषणा करें कि सिद्धारमैया पूरे पांच साल के कार्यकाल के दौरान मुख्यमंत्री रहेंगे। विभिन्न अहिंदा संगठनों के प्रतिनिधियों ने बुधवार को यहां एक अभियान शुरू किया, जिसमें लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को पत्र भेजकर उनसे और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से नेतृत्व परिवर्तन पर अटकलों को समाप्त करने के लिए तत्काल हस्तक्षेप करने का आग्रह किया गया। अहिंदा (अल्पसंख्यकों, पिछड़े वर्गों और दलितों के लिए कन्नड़ संक्षिप्त नाम) एक समूह है जो सिद्धरमैया के चुनावी समर्थन का आधार बनता है।

अहिंदा संगठनों द्वारा यह कदम राज्य में मुख्यमंत्री में संभावित बदलाव की अटकलों की पृष्ठभूमि में उठाया गया है। कांग्रेस सरकार नवंबर में अपने पांच साल के कार्यकाल के आधे पड़ाव पर पहुंच जाएगी, जिसे कुछ लोग नवंबर क्रांति कह रहे हैं। वहीं सिद्धारमैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार को एक स्पष्ट झटका देते हुए, कर्नाटक उच्च न्यायालय की धारवाड़ पीठ ने अपने उस आदेश पर रोक लगा दी है जिसके तहत निजी संगठनों को सरकारी परिसरों में गतिविधियां संचालित करने से पहले पूर्व अनुमति लेनी अनिवार्य थी। इस सरकारी आदेश को व्यापक रूप से राज्य में आरएसएस की गतिविधियों पर निशाना साधने के रूप में देखा जा रहा था। एकल न्यायाधीश पीठ की अध्यक्षता कर रहे न्यायमूर्ति नागप्रसन्ना ने इस निर्देश पर अंतरिम रोक लगा दी और अगली सुनवाई 17 नवंबर के लिए निर्धारित की। आरएसएस से जुड़ी गतिविधियों पर अंकुश लगाने के प्रयास के रूप में व्यापक रूप से देखा जा रहा सरकार का यह आदेश अगली सुनवाई तक निलंबित रहेगा। सरकार के निर्देश के खिलाफ याचिका पुनश्चैतन्य सेवा संस्था द्वारा दायर की गई थी, जिसमें तर्क दिया गया था कि यह आदेश निजी संगठनों के वैध गतिविधियों को संचालित करने के अधिकारों का उल्लंघन करता है। इस महीने की शुरुआत में जारी, अब स्थगित सरकारी आदेश (GO) में सार्वजनिक और सरकारी संपत्तियों के उपयोग के लिए विशिष्ट दिशानिर्देश दिए गए थे। इसमें कहा गया था कि कोई भी निजी या सामाजिक संगठन संबंधित विभाग प्रमुखों की लिखित अनुमति के बिना सरकारी स्कूलों, कॉलेज परिसरों या अन्य संस्थागत परिसरों में कार्यक्रम, बैठकें या सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित नहीं कर सकता। आदेश में जिला प्रशासन को कर्नाटक भूमि राजस्व और शिक्षा अधिनियमों के तहत अनुपालन सुनिश्चित करने और किसी भी उल्लंघन के खिलाफ कार्रवाई करने का भी निर्देश दिया गया था।

कांग्रेस कर्नाटक में बड़े फेरबदल के लिए पूरी तरह तैयार

दूसरी ओर कांग्रेस कर्नाटक में बड़े फेरबदल के लिए पूरी तरह तैयार है, और सूत्रों के अनुसार, सबसे पुरानी पार्टी कामराज योजना को लागू करेगी, जिसका मतलब है कि प्रदर्शन और भ्रष्टाचार के आरोपों के आधार पर कई वरिष्ठ चेहरों को राज्य मंत्रिमंडल से हटाया जाएगा। कांग्रेस इस साल के अंत तक होने वाले फेरबदल में एक दर्जन वरिष्ठ कैबिनेट मंत्रियों को हटाकर उन्हें पार्टी संगठन में स्थानांतरित कर सकती है, और नए चेहरों को मंत्रिमंडल में जगह दी जाएगी। कर्नाटक सरकार के ढाई साल पूरे होने के साथ ही मंत्रिमंडल में फेरबदल की संभावनाएँ बढ़ गई हैं, और उप-मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार राज्य में बारी-बारी से मुख्यमंत्री पद की मांग कर रहे हैं। हालांकि, अगर कामराज योजना राज्य में लागू होती है, तो उन्हें राज्य में अपने एक पद से हटना होगा, क्योंकि वह राज्य के पार्टी अध्यक्ष होने के साथ-साथ कैबिनेट मंत्री और उप-मुख्यमंत्री भी हैं। कामराज योजना 1963 में मद्रास के तत्कालीन मुख्यमंत्री के. कामराज द्वारा शुरू की गई एक पहल थी, जो बाद में 1963 में कांग्रेस (ओ) के अध्यक्ष बने। कुमारस्वामी कामराज ने प्रस्ताव दिया था कि वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं को पार्टी के पुनर्निर्माण पर ध्यान केंद्रित करने के लिए सरकारी पदों से इस्तीफा दे देना चाहिए। इसका लक्ष्य जमीनी स्तर पर पार्टी के संगठन को मजबूत करना था।

सिद्धारमैया के बेटे के ने पिता के संभावित उत्तराधिकारी का नाम बताया

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के बेटे ने सुझाव दिया है कि कांग्रेस नेता सतीश जरकीहोली उनके पिता की विरासत को आगे बढ़ाने के लिए संभावित उत्तराधिकारी हो सकते हैं, जिनके बारे में उन्होंने कहा कि वे अपने राजनीतिक जीवन के अंतिम चरण

में हैं। यतींद्र की यह टिप्पणी कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों की पृष्ठभूमि में आई है, जिसका कांग्रेस पार्टी ने पहले खंडन किया था। जहां एक ओर संभावित नेतृत्व परिवर्तन पर बातचीत चल रही है, वहीं सिद्धारमैया के बेटे यतींद्र ने एक आश्चर्यजनक घोषणा की कि उनके पिता अपने राजनीतिक करियर के अंतिम चरण में हैं और सतीश जरकीहोली जैसे नेता उनकी विरासत को आगे बढ़ाने के लिए सबसे उपयुक्त उम्मीदवार होंगे। यतींद्र ने कहा कि किसी खास विचारधारा से जुड़े व्यक्ति को ढूंढना मुश्किल है और उन्होंने सुझाव दिया कि जरकीहोली एक प्रगतिशील नेता की भूमिका निभा सकते हैं। गौरतलब है कि जरकीहोली ने पहले कहा था कि वह मुख्यमंत्री पद की दौड़ में नहीं हैं। यतींद्र की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए, शिवकुमार ने कोई टिप्पणी नहीं की और कहा, आपको उनसे पूछना चाहिए, मैं क्या कह सकता हूं? उन्होंने यह भी कहा कि इस मामले पर अंतिम निर्णय कांग्रेस आलाकमान लेगा।

संघ की कर्नाटक में कांग्रेस को नई चुनौती

कर्नाटक के यादगिरी जिला प्रशासन ने अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के पूर्व विधानसभा क्षेत्र गुरमितकल में आरएसएस के पथ संचलन के लिए सशर्त अनुमति दे दी है। 31 अक्टूबर को होने वाला यह संचलन सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए कड़ी शर्तों के साथ होगा। अधिकारियों के अनुसार, इस आयोजन पर दस शर्तें लगाई गई हैं, जिनमें भड़काऊ नारे लगाने, हथियार ले जाने और सार्वजनिक या निजी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने पर प्रतिबंध शामिल है। यह संचलन नरेंद्र राठौड़ लेआउट से शुरू होकर सम्राट सर्कल, बसवेश्वर सर्कल, हनुमान मंदिर और कुंभारवाड़ी जैसे प्रमुख स्थानों से होकर गुजरेगा। गौरतलब है कि गुरमितकल कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का गढ़ और गृह क्षेत्र है। खड़गे इससे पहले आठ बार इस सीट से विधायक रह चुके हैं। आरएसएस के जिला प्रचार प्रमुख बसप्पा संजानोल ने 23 अक्टूबर को एक आवेदन के माध्यम से मार्च की अनुमति मांगी थी। पुलिस ने जुलूस को सम्राट सर्कल, एपीएमसी सर्कल, हनुमान मंदिर, मराठावाड़ी, पुलिस स्टेशन रोड, मिलन चौक और सिहिनीरू बावी मार्केट मेन रोड से होते हुए राम नगर में समाप्त होने की अनुमति दे दी है। साथ ही चेतावनी दी गई है कि अगर किसी भी नियम का उल्लंघन किया गया, तो आयोजकों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। आखिरकार इस आयोजन की अनुमति मिलने से पहले आरएसएस को कई बाधाओं का सामना करना पड़ा। प्रियांक खरगे ने आरएसएस की गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने की मांग की इस बीच, कर्नाटक के मंत्री और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बेटे प्रियांक खरगे ने हाल ही में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को पत्र लिखकर सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों के साथ-साथ सार्वजनिक स्थानों पर आरएसएस की गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने का आग्रह किया है। उन्होंने अपने पत्र में लिखा, आरएसएस नामक एक संगठन सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों के साथ-साथ सार्वजनिक मैदानों में अपनी शाखाएं चला रहा है, जहां नारे लगाए जाते हैं और बच्चों और युवाओं के मन में नकारात्मक विचार भरे जाते हैं।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

आधुनिक भारत के शिल्पी थे पटेल व इंदिरा

दोनों में एक समानता है कि दोनों ने आधुनित भारत की नींव मजूबत की। दोनों ही लौह सोच वाले थे। एक ने देश को जोड़ा और एक देश को तोड़ने वाले पाक को तोड़ा। स्वाधीनता संग्राम में अनेक विभूतियां हुई जिन्होंने अपने त्याग, समर्पण और अटूट संकल्प से देश को स्वतंत्रता दिलाने में योगदान दिया।

31 अक्टूबर भारत के दो महान सपूतों को याद करने का दिन है। वे दोनों हैं क्रमश: सरदार पटेल व इंदिरा गांधी। एक का आज जन्मदिन है तो दूसरे की पुण्य तिथि। दोनों में एक समानता है कि दोनों ने आधुनिक भारत की नींव मजूबत की। दोनों ही लौह सोच वाले थे। एक ने देश को जोड़ा और एक ने देश को तोड़ने वाले पाक को तोड़ा। स्वाधीनता संग्राम में अनेक विभूतियां हुई जिन्होंने अपने त्याग, समर्पण और अटूट संकल्प से देश को स्वतंत्रता दिलाने में योगदान दिया। किंतु स्वतंत्र भारत की एकता और अखंडता की जो संरचना आज हमारे सामने है, उसका श्रेय जिस व्यक्ति को सर्वाधिक जाता है, वे हैं सरदार वल्लभ भाई पटेल– जिन्हें सारा राष्ट्र लौह पुरुष और राष्ट्रीय एकता के शिल्पकार के रूप में सम्मानित करता है। उन्होंने जिस कुशलता, विवेक और दृढ़ता से रियासतों के विलय का महान कार्य संपन्न किया, वह भारतीय इतिहास में अप्रतिम और प्रेरणास्पद उदाहरण है। सरदार पटेल का जन्म 31 अक्टूबर 1875 को गुजरात के नड़ियाद गांव में हुआ था। उनके पिता झवेरभाई कृषक थे और माता लाडबा बेन धार्मिक, कर्मनिष्ठ एवं स्नेहमयी महिला थीं। बचपन से ही वल्लभभाई में आत्मविश्वास, साहस और दृढ़ता के गुण स्पष्ट दिखने लगे थे।

ग्रामीण वातावरण में पले-बढ़े इस बालक ने सीमित साधनों में भी शिक्षा के प्रति अदम्य लगन दिखाई। उन्होंने कानून की पढ़ाई के लिए इंग्लैंड प्रस्थान किया और वहां से बैरिस्टर बनकर लौटे। उनका उद्देश्य केवल व्यक्तिगत सफलता नहीं था, वे जनसेवा के लिए जीवन समर्पित करना चाहते थे। उन्होंने अपनी वकालत से अर्जित संपन्नता का उपयोग जनता की सेवा में किया और शीघ्र ही गुजरात में लोकप्रिय नेता बन गए। उनका राजनीतिक जीवन गांधीजी के सान्निध्य से आलोकित हुआ। गांधीजी से प्रेरित होकर उन्होंने सत्य, अहिंसा और स्वदेशी के मार्ग को अपनाया। 1918 में खेड़ा जिले में जब किसानों पर कर वसूली का अन्यायपूर्ण भार डाला गया, तब पटेल ने किसानों के साथ मिलकर खेड़ा सत्याग्रह का नेतृत्व किया। उनके नेतृत्व में किसानों ने बिना हिंसा के कर न देने का संकल्प लिया और अंतत: सरकार को झुकना पड़ा। इसके बाद बोर्सद आंदोलन और बारडोली सत्याग्रह 1928 में उनके नेतृत्व कौशल का उत्कर्ष हुआ। बारडोली के किसानों ने भूमि-राजस्व बढ़ोतरी के विरोध में शांतिपूर्ण आंदोलन किया, जिसमें पटेल ने अनुशासन, संगठन और दृढ़ता का ऐसा उदाहरण प्रस्तुत किया कि ब्रिटिश सरकार को पीछे हटना पड़ा। इसी सफलता के बाद उन्हें सरदार की उपाधि मिली, जो उनके नाम का स्थायी अंग बन गई। बारडोली आंदोलन ने उन्हें राष्ट्रीय नेता के रूप में स्थापित किया और गांधीजी ने भी उन्हें भारत का बिस्मार्क कहा, क्योंकि वे संगठन और निर्णय क्षमता के अद्वितीय प्रतीक बन गए थे। दोनों नेताओं को विनम्र श्रधाजंलि।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

बिहार के चुनाव पर नेपाली निगाहें

पुष्परंजन

नेपाल के मेट्रो शहर वीरगंज में प्रोफेसर भाग्यनाथ प्रसाद गुप्ता मधेस राजनीति की सुपरिचित शख्सियत में से हैं। फोन पर पूछा, कि आम नेपाली किस नुक्ते-नजर से बिहार चुनाव को देखता है? जवाब, एक नेपाली कहावत के रूप में पेश था- 'अन्धो गाई र लंगडो गोरु' अर्थात, अंधी गाय और लंगड़ा बैल। ऐसी कहावत का उपयोग तब किया जाता है, जब दो असमर्थ लोग मिलकर एक दूसरे की मदद करते हैं। इस कहावत के बहुआयामी निहितार्थ हैं। संसाधनों के मामलों में नेपाल सम्पूर्ण नहीं है। जहां उसे बिहार से मदद चाहिये, मिलती है। और जब सीमा पार बिहार में मुश्किलें होती हैं, नेपाल की जनता और व्यापारी, सेवाभाव से प्रस्तुत होते हैं। 1751 किलोमीटर लंबी भारतीय सीमा नेपाल से लगती है। इनमें भारत के पांच राज्यों की सीमाएं बिहार, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल और सिक्किम बाड़बंदी के बगैर हैं। सबसे लंबी सीमा बिहार की 756 किलोमीटर, और सबसे छोटी सीमा सिक्किम की मात्र 99 किलोमीटर है।

बिहार के सात सीमावर्ती जिले- पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, सीतामढ़ी, मधुबनी, सुपौल, अररिया, किशनगंज हैं। नेपाल के हवाले से बहुत पुरानी कहावत इस्तेमाल होती रही, 'बेटी-रोटी का सम्बन्ध।' लेकिन, अब उसकी व्याख्या व्यापक है। बेटी-रोटी का सम्बन्ध केवल वोट बैंक तक महदूद नहीं है, विभिन्न दलों के जो प्रत्याशी खड़े होते हैं, उनके चुनावी खर्च का एक बड़ा हिस्सा नेपाल के उद्योग-व्यापार वाले वहन करते हैं। वैसे 21 विधानसभा क्षेत्र हैं, जो बिलकुल बॉर्डर लाइन पर हैं। दरअसल, बेटी-रोटी का कॉन्सेप्ट इन्हीं वजहों से शुरू होता है। लगभग हर तीसरे-चौथे परिवार की रिश्तेदारी नेपाल में दिखाई देती है। चुनांचे, जब नेपाल में चुनाव होता है, भारत वाले दोस्त, रिश्तेदार एक्टिव हो जाते हैं, उसी तरह जब भारत के इन पांच राज्यों में चुनाव होता है, नेपाल का सरोकार सामने आ जाता है। लेकिन, चुनावी दायरा 21 विधानसभा क्षेत्रों तक सीमित नहीं है। ऐसे सात सीमावर्ती जिले बिहार के हैं, जिनके मुख्यालय की राजनीतिक गतिविधियों में नेपाल के लोगों की दिलचस्पी बनी रहती है।

चुनावी सभा चाहे दरभंगा में हो, या कि मोतिहारी में, राहुल-मोदी अथवा अमित शाह को देखने नेपाल के लोग पहुंच ही जाते हैं। बिहार में इस तरह के 60 से 65 जिले हैं, जिनके भावी विधायकों, मंत्रियों, सांसदों के 'गुड बुक' में बने रहने की कवायद नेपाल

में चलती रहती है। दूसरा, मुस्लिम फैक्टर भी है, लगभग 80 फीसद मुस्लिम आबादी तराई क्षेत्र में है, शेष 20 प्रतिशत मुसलमान मुख्यत: काठमांडू, गोरखा और पश्चिम नेपाल की पहाड़ियों तक सीमित हैं। लेकिन, जो बॉर्डर लाइन के नेपाली मुसलमान हैं, बताना अब जरूरी नहीं रह गया, कि बिहार में होने वाले चुनाव में वो किसकी जीत के ख्वाहिशमंद हैं। आप देख सकते हैं, चम्पारण के ढाका तथा सीमांचल के चार जिले पूर्णिया, कटिहार, अररिया और किशनगंज वाले अल्पसंख्यकों का राब्ता, नेपाल में एक्टिव मुसलमानों से रहता है। बिहार-नेपाल व्यापार के लिए बारा, पर्सा, महोत्तरी, मोरंग, धनुषा, सर्लाही, रौतहट, सुनसरी और झापा ज़िलों से जुड़े 10 ट्रांज़िट पॉइंट शामिल हैं। मुख्य व्यापार में कृषि उत्पाद, दूध प्रसंस्करण, नॉन-वोवन बैग निर्माण, पशुधन के लिए खनिज और विटामिन मिश्रण वाला उत्पादन, औषधि, पेट्रोलियम, लिथियम आयन सौर बैटरी, कॉस्मेटिक्स से लेकर कपड़े और इलेक्ट्रॉनिक सामान तक शामिल हैं। लेकिन अब इसमें नया तड़का लगा है, शराब और शबाब का, जिसने एक नई किस्म की कनेक्टिविटी दोनों देशों में पैदा की है। वर्ष 2016 में बिहार में शराबबंदी होने के बाद से, नेपाल के सीमावर्ती शहरों में अल्कोहल इंडस्ट्री और उसका खुदरा कारोबार जबरदस्त रूप से रफ्तार पकड़ने लगा है। नेपाल के सीमावर्ती इलाकों में होटल और रेस्टोरेंट भारतीय विजिटर्स की वजह से गुलजार हैं। बॉर्डर पार करके शराब पीने का शगल कुछ नया नहीं था। लेकिन इन दिनों आप बीरगंज से लेकर बिराटनगर, इटहरी और राजबिराज जैसे शहरों को जाकर देख आइये, चुनाव के समय शराब की मांग डबल हो गई है।

नौ वर्षों में नेपाल, बिहार वालों के लिए 'लीकर डेस्टिनेशन' बन चुका है। अब चूंकि, राजनीतिक कार्यकर्ताओं, उनके समर्थकों को 'अतिरिक्त ऊर्जा' चाहिए, तो नेपाली शहरों में शराब का धंधा और तेज हुआ है, विदेशों से शराब का आयात 12 फीसद बढ़ गया। नेपाल की शराब लॉबी चाहती है, कि बिहार में वैसी सरकार रहे, जो मद्यनिषेध जारी रखना चाहती हो। शराबबंदी से पहले बिहार में 3,142 करोड़ की सालाना आमदनी केवल शराब के ठेकों से सरकार को होती थी।

सूर्योदय के देश में ताकाइची का उदय

अरुण नैथानी

जापान के सत्ता शीर्ष पर पहली बार एक महिला का विराजमान होना, जापानी समाज में एक बड़े बदलाव का संकेत है। वहां स्त्री को यह सम्मान मिलने में कितना वक्त लगा, इसका अंदाज इस बात से लगाया जा सकता है कि साने ताकाइची जापान की 104वीं प्रधानमंत्री बनी हैं। वह भी ऐसे वक्त में जब देश राजनीतिक अस्थिरता के भंवर से गुजर रहा है। लगातार नेतृत्व परिवर्तन का घटनाक्रम जारी है। कुछ माह पूर्व सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी को आम चुनावों में गहरा झटका लगा था। पार्टी संसद में बहुमत के लिए गठबंधन की राजनीति की शरण में जाने को मजबूर हुई। बहरहाल, दक्षिणपंथी रुझान वाली साने ताकाइची जापान में आयरन लेडी के नाम से जानी जाती हैं। उनके चुनाव के बाद सड़कों में जनता का सकारात्मक प्रतिसाद उनकी लोकप्रियता का पैमाना कहा जा सकता है।

वे दस बार संसद के लिए चुनी जा चुकी हैं। देश की आर्थिक सुरक्षा व लैंगिक समानता के लिए किए गए प्रयासों के लिए उन्हें सराहा जाता रहा है। कुछ वर्ष पहले एक चुनावी जनसभा में एक हमले में मारे गए पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे की शिष्या माना जाता है साने ताकाइची को। ऐसे में विश्वास किया जाता है कि वे प्रधानमंत्री बनने के बाद आबे की 'एबेनोमिक्स' की विकास नीति का ही अनुसरण करेंगी, जिसमें करों में कटौती तथा सार्वजनिक निवेश को प्राथमिकता देकर विकास को गति देने को प्राथमिकता दी जाती है। आबे के एजेंडे में भारत से बेहतर रिश्ते बनाने का संकल्प भी शामिल रहा है। दरअसल, साने ताकाइची को प्रधानमंत्री के रूप में कांटों का ताज ही मिला है। मौजूदा दौर में जापान आर्थिक चुनौतियों से गुजर रहा है। महंगाई से जनता परेशान है और जापान की मुद्रा येन के अवमूल्यन से संकट बढ़ा है। दरअसल, कोरोना संकट, वैश्विक अशांति और ट्रंप की दुनिया को हिला देने वाली आर्थिक नीतियों से जापान भी खासा प्रभावित हुआ है। चीन की आक्रामक वैश्विक नीतियों के चलते हिंद-प्रशांत क्षेत्र अमेरिका व अन्य महाशक्तियों का अखाड़ा बना हुआ है।

वहीं उत्तर कोरिया की आक्रामक सामरिक नीतियों के चलते जापान में अपनी सैन्य ताकत को मजबूत करने की मांग तेज हो रही है। चारों तरफ से मिल रही सुरक्षा चुनौतियों के मद्देनजर साने ताकाइची भी जापान की सैन्य ताकत बढ़ाने के पक्ष में हैं। वे जापान की सुरक्षा के लिए रक्षा तैयारियां बढ़ाने और रक्षा खर्च को जापान के सकल घरेलू उत्पाद के दो प्रतिशत से अधिक करने की पक्षधर हैं। कई मायनों में यह कदम दशकों तक शांति पक्षधरता व सैन्य शक्ति न बढ़ाने की जापान की विदेश नीति में बड़े बदलाव का भी संकेत है। दरअसल, साने ताकाइची दक्षिणपंथी रुझान की नेता मानी जाती हैं। वे राष्ट्रीय सुरक्षा नीति से जुड़े मुद्दों से लेकर परिवार व महिलाओं के जीवन को लेकर रूढ़िवादी नजरिया रखती हैं। वे जापानी समाज में समलैंगिक विवाहों की विरोधी रही हैं। पूरी दुनिया के विकसित देशों में प्रवासियों को लेकर जिस तरह सख्त नीतियां अपनायी जा रही हैं, साने ताकाइची भी उन्हीं का अनुसरण करती हैं।

वे चाहती हैं कि जापान की रीति-नीतियों का उल्लंघन करने वाले आप्रवासियों से सख्ती से निपटा जाना चाहिए। जापान में 'आयरन लेडी' कही जाने वाली साने ताकाइची की प्रधानमंत्री पद नियुक्ति को सत्ता व समाज में स्त्रियों की बढ़ती भूमिका के तौर पर देखा जा रहा है। दरअसल, जापान को भारी लिंग असमानता वाला देश कहा जाता रहा है। यहां संसदीय प्रक्रिया में महिलाओं की भागीदारी महज पंद्रह फीसदी बताई जाती है। भले ही उनकी ताजपोशी राजनीतिक क्षरण के दौर से गुजर रही लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी की राजनीतिक मजबूरी रही हो, लेकिन उनकी इस पद पर तैनाती का महिलाओं के लिए एक बड़ा प्रतीकात्मक महत्व भी है। यह भी कि स्त्री अपनी योग्यता व क्षमता से अपना आकाश हासिल कर सकती हैं। निस्संदेह, भू-राजनीतिक समीकरणों के चलते जापान आज एक महत्वपूर्ण स्थिति में है। अमेरिका चीन की साम्राज्यवादी नीतियों पर अंकुश लगाने के लिए हिंद-प्रशांत क्षेत्र में जापान को अपना बड़ा साझीदार मानता है। भारत व आस्ट्रेलिया के साथ जापान क्वाड में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। ताइवान को लेकर जापान का रवैया भी भारत को रास आता है।

प्रधानमंत्री के पद पर साने ताकाइची की ताजपोशी को भारत के लिए भी सुखद संकेत माना जा रहा है। एक तो वे उन पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे की अनुयायी हैं, जिनकी प्रधानमंत्री मोदी के साथ भारतीय संबंधों को लेकर बेहतर कैमिस्ट्री रही है। सदियों से दोनों देशों के रिश्ते खास रहे हैं। आजादी की लड़ाई में भारतीय सेनानियों को जापान से खासा सहयोग मिला। नेताजी सुभाषचंद्र बोस की जापान में सक्रियता से जुड़ी स्मृतियां दोनों देशों को और करीब लाती हैं। बौद्ध धर्म भी दोनों देशों के रिश्तों को समृद्ध करता है। वैसे भी रक्षा व सुरक्षा संबंधों के अलावा भारत की विकास योजनाओं में भारी जापानी निवेश हुआ है। दूसरे शब्दों में भारत की विकास यात्रा में जापान एक भरोसेमंद साझेदारी अतीत में भी रहा है। भरोसा जताया जा रहा है कि साने ताकाइची की ताजपोशी से दोनों देशों के राजनयिक ही नहीं, आर्थिक, सामरिक, सामाजिक व सांस्कृतिक क्षेत्रों में रिश्तों को नये आयाम मिलेंगे।

पके और कच्चे केले से बनाएं लाजवाब पकवान

आज-कल बाजार में केले खूब मिल रहे हैं और इनका दाम भी काफी कम है। ऐसे में लोग भी जमकर केलों का सेवन कर रहे हैं। दरअसल, केले में कई तरह के विटामिन (जैसे विटामिन ए, सी, और बी6), खनिज (जैसे पोटेशियम, मैग्नीशियम, और कैल्शियम), और फाइबर पाए जाते हैं। केले को हम कई तरीके से खाया जाता है क्योंकि इसे दूध के साथ काफी फायदेमंद होता है। लेकिन कच्चे और पके हुए केले से तमाम तरह के स्वादिष्ट पकवान भी बनाए जा सकते हैं। ये न केवल मीठे व्यंजनों में बल्कि नमकीन और पारंपरिक व्यंजनों में भी खूब उपयोग होता है।

बनाना केक

सामान

पके केले - 2, मैदा- 1 कप, चीनी- ½ कप, बेकिंग पाउडर- 1 छोटा चम्मच, बेकिंग सोडा – ¼ छोटा चम्मच, तेल / मक्खन - ½ कप, दूध – ¼ कप, वनीला एसेंस- 1 छोटा चम्मच।

विधि

बनाना केक बनाने के लिए सबसे पहले तो आपको अपने ओवन को प्रीहीट करना है। इसके लिए 180°C का टेमप्रेचर ओवन में सेट करें। जब तक ओवन प्रीहीट हो रहा है तो सबसे पहले एक बाउल में मैश किए हुए केले में चीनी, तेल और वनीला एसेंस मिलाएं। इसके बाद इसमें मैदा, बेकिंग पाउडर और बेकिंग सोडा को छानकर मिलाएं। अगर जरूरत लगत रही है तो थोड़ा सा दूध डालकर बैटर तैयार कररें। ये बैटर पतला या गाढ़ा नहीं होना चाहिए। केक बनाने के लिए अब ग्रीस की हुई केक टिन में बैटर डालें और 30-35 मिनट तक बेक करें। चाकू के एक बार चेक करें, अगर ये पक गया है तो इसे निकालकर ठंडा करें और फिर सर्व करें।

कच्चे केले की टिक्की

सामान

कच्चे केले- 2 (उबले और मैश किए हुए), उबले आलू - 1 अदरक-लहसुन पेस्ट - 1 चम्मच, हरी मिर्च - 1 (बारीक कटी), धनिया पत्ता- 1 चम्मच, नमक, गरम मसाला - स्वाद अनुसार, ब्रेड क्रम्ब्स - 2 चम्मच, तेल - सेंकने के लिए।

विधि

कच्चे केले की टिक्की बनाने के लिए सबसे पहले केलों को उबाल लें। अब इसमें सभी सामान मिक्स करके आटे की तरह गूंथ लें। जब ये पूरी तरह से पक जाए तो इससे मनचाहे आकार की टिक्की बना लें। अब तवे पर थोड़ा-थो़ा तेल डालकर सुनहरा होने तक सेक लें। आप चाहें तो इसे बेक भी कर सकती हैं, ताकि इसका सेवन वो लोग भी कर सकें, जो तेल नहीं खाते हैं। आखिर में चटनी या दही के साथ परोसें।

कच्चे केले की सब्जी

सामान

कच्चे केले की सब्जी बनाने के लिए कच्चे केले- 2, तेल - 2 चम्मच, राई, जीरा- ½ छोटा चम्मच, हल्दी, मिर्च, धनिया पाउडर, नमक स्वादानुसार।

विधि

कच्चे केले की सब्जी बनाने के लिए सबसे पहले कच्चे केलों को छोटे टुकड़ों में काटकर उबाल लें। उबालने के बाद ये सब्जी और कमाल की बनेगी। कढ़ाही में तेल गर्म कर राई और जीरे का तड़का लगाएं। जब जीरा भुन जाए तो उसमें मसाले डालकर केले के टुकड़े डालें और 5-7 मिनट भूनें। जब केले पक जाएं तो सबसे आखिर में इसपर हरा धनिया डालें और सर्व करें।

हंसना मना है

लड़की- प्लीज मुझे सीट दे दो? लड़का - क्यूं दे दूं? लड़की- अरे लड़की खड़ी है, सीट भी नहीं दे सकते क्या? लड़का - आप मुझसे शादी कर लो? लड़की- किस खुशी में कर लूं? लड़का- लड़का कुंवारा घूम रहा है, शादी भी नहीं कर सकती?

खिड़की पर खड़े आदमी को कैशियर ने कहा पैसे नहीं है, ग्राहक- और दो मोदी माल्या को पैसा, सारे पैसे लेकर भाग गए विदेश में, कैशियर ने खिड़की में से हाथ निकाला और उसकी गर्दन दबोच कर कहा साले बैंक में तो है तेरे खाते में नहीं है भिखारी।

लड़का एक लड़की के साथ घर आया। मां- कौन है यह, लड़का- यह मेरी धर्म-पत्नी है। मां- कब से चल रहा था तुम दोनों के बीच ये सब, लड़का- पता नहीं यह तो पार्क में मेरे बगल में बैठ किसी का इंतज़ार कर रही थी। बजरंग दल वालों ने हमारी शादी करवा दी।

कहानी — हाथी और शेर

एक बार एक जंगल में एक शेर अकेला बैठा हुआ था। वह अपने बारे में सोच रहा था कि मेरे पास तो तेज धारदार मजबूत पंजे और दांत हैं। साथ ही मैं एक बहुत ही ताकतवर जानवर भी हूं, लेकिन फिर भी जंगल के सारे जानवर हमेशा मोर की ही तारीफ क्यों करते रहते हैं। दरअसल, शेर को इस बात से बहुत जलन महसूस होती थी कि सभी जानवर मोर की तारीफ करते थे। जंगल के सभी जानवर कहते थे कि मोर जब भी अपने पंख फैलाकर नाचता है, तो वह बहुत सुंदर लगता है। यही सब सोचकर शेर बहुत दुखी हो रहा था। वह सोच रहा था कि इतना ताकतवर होने और जंगल का राजा होने पर भी कोई उसकी तारीफ नहीं करता है। ऐसे में उसके इस जीवन का क्या मतलब है। तभी वहां से एक हाथी जा रहा था। वह भी काफी दुखी था। जब शेर ने उस दुखी हाथी को देखा, तो उससे पूछा - तुम्हारा शरीर इतना बड़ा है और तुम ताकतवर भी हो। फिर भी इतने दुखी क्यों हो? तुम्हें क्या परेशानी है? दुखी हाथी को देखकर शेर ने सोचा कि क्यों न मैं इस हाथी के साथ अपना दुख बांट लूं। उसने आगे कहते हुए हाथी से पूछा - कि क्या इस जंगल में ऐसा कोई जानवर है, जिससे तुम्हें जलन होती हो और वह तुम्हें हानि पहुंचाता हो? शेर की बात सुनकर हाथी ने कहा - जंगल का सबसे छोटा जानवर भी मुझ जैसे बड़े जानवर को परेशान कर सकता है। शेर ने पूछा - वह कौन सा छोटा जानवर है? हाथी ने कहा - महाराज, वो जानवर चींटी है। वह इस जंगल में सबसे छोटी है, लेकिन जब भी वो मेरे कान में घुसती है, तो मैं दर्द के मारे पागल हो जाता हूं। हाथी की बात सुनकर शेर को समझ में आ गया कि मोर तो मुझे चींटी की तरह परेशान भी नहीं करता है, फिर भी मुझे उससे जलन होती है। ईश्वर ने सभी प्राणियों को अलग-अलग खामियां और खूबियां दी हैं। इसी वजह से सारे प्राणी एक जैसे ही ताकतवर या कमजोर नहीं हो सकते हैं। इस तरह शेर को यह समझ में आ गया कि उस जैसे ताकतवर जानवर में भी खूबियों के साथ कमियां हो सकती है। इससे शेर के मन में उसका खोया हुआ आत्मविश्वास फिर से बढ़ गया और उसने मोर से जलन करना बंद कर दिया।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष सामाजिक कार्य करने के प्रति रुझान रहेगा। मान-सम्मान मिलेगा। रुके कार्यों में गति आएगी। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में चैन बना रहेगा। सही काम का भी विरोध होगा।

वृषभ लाभ के अवसर हाथ आएंगे। चोट व रोग से बचें। सेहत का ध्यान रखें। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। झंझटों में न पड़ें। व्यापार-व्यवसाय में वृद्धि होगी। निवेश शुभ रहेगा।

मिथुन कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। ऐश्वर्य के साधनों पर सोच-समझकर खर्च करें। कोई ऐसा कार्य न करें जिससे कि बाद में पछताना पड़े। दूसरे अधिक अपेक्षा करेंगे।

कर्क कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल रहेंगे। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। स्त्री वर्ग से सहायता प्राप्त होगी। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा।

सिंह आर्थिक उन्नति होगी। संचित कोष में वृद्धि होगी। देनदारी कम होगी। नौकरी में मनोनुकूल स्थिति बनेगी। परिवार की चिंता बनी रहेगी। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा।

कन्या किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा।

तुला प्रयास अधिक करना पड़ेंगे। दूसरों के बहकावे में न आएं। फालतू बातों पर ध्यान न दें। लाभ में वृद्धि होगी। शत्रुओं का पराभव होगा। व्यवसाय ठीक चलेगा।

वृश्चिक प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। भेंट व उपहार देना पड़ सकता है। प्रयास सफल रहेंगे। कार्य की बाधा दूर होगी। निवेश शुभ रहेगा। व्यापार में वृद्धि तथा सम्मान में वृद्धि होगी।

धनु दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। घर में मेहमानों का आगमन होगा। व्यय होगा। सही काम का भी विरोध हो सकता है। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

मकर कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर करें। किसी अनहोनी की आशंका रहेगी। शारीरिक कष्ट संभव है। लेन-देन में लापरवाही न करें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

कुम्भ दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। हल्की हंसी-मजाक करने से बचें। यश बढ़ेगा। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। चिंता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी।

मीन व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। विवेक से कार्य करें। लाभ में वृद्धि होगी। फालतू की बातों पर ध्यान न दें। निवेश शुभ रहेगा।

अब ओटीटी पर रिलीज हुई टाइगर श्रॉफ की 'बागी-4'

बॉलीवुड | गपशप

'ह बॉलीवुड एक्टर टाइगर श्रॉफ की फिल्म 'बागी 4' ने सिनेमाघरों में खूब धमाल मचाया है। अब फिल्म ने अपना डिजिटल डेब्यू भी कर लिया है। अब आप घर बैठकर ही टाइगर की इस एक्शन-थ्रिलर फिल्म का लुत्फ उठा सकते हैं। तो चलिए जानते हैं कि आप 'बागी 4' को कब और कहां देख पाएंगे।

प्राइम वीडियो पर आप बागी 4 को घर बैठे देख सकते हैं। प्राइम वीडियो ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर 'बागी 4' को लेकर एक पोस्ट शेयर की है। इसमें उन्होंने घोषणा की है कि, 'बागी 4 अब भारत और दुनिया भर के 240 से ज्यादा देशों और क्षेत्रों के दर्शकों के लिए हिंदी में स्ट्रीम करने के लिए यहां उपलब्ध है।'

बागी 4 में टाइगर श्रॉफ के साथ इस बार हरनाज़ कौर संधू की जोड़ी देखने को मिली थी। फिल्म में पंजाबी एक्ट्रेस सोनम बाजवा भी अहम रोल में थी। वहीं बॉलीवुड एक्टर संजय दत्त ने फिल्म में विलेन का रोल निभाया। इन स्टार्स के अलावा 'बागी 4' में सौरभ सचदेवा और श्रेयस तलपड़े जैसे कलाकार भी शामिल हैं। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर काफी अच्छा कलेक्शन किया है।

फिल्म बागी 4' की कहानी रॉनी (टाइगर श्रॉफ) पर आधारित है, जो अपनी गर्लफ्रेंड को खोने पर दुखी होता है और उसे ढूंढने की कोशिश करता है। लेकिन इसमें उसकी फैमिली और दोस्त उसका साथ नहीं देते, वो लोग ये साबित करने में लगे हुए होते हैं कि रॉनी को सिर्फ भ्रम हो रहा है। इसके बाद एक छिपा हुआ सच बाहर आता है। यहां से फिल्म में संजय दत्त की दमदार एंट्री होती है। फिर टाइगर और संजय के बीच जबरदस्त भिड़ंत भी देखने को मिलती है। अब बागी 4 अब प्राइम वीडियो पर बस एक क्लिक की दूरी पर है।

चीते की रफ्तार से बॉक्स ऑफिस पर दौड़ती कांतारा

अ क्सर फिल्में जब ओटीटी पर रिलीज हो जाती हैं, तो उनकी कमाई में भारी गिरावट देखने को मिलती है, लेकिन ऋषभ शेट्टी की मूवी के साथ ऐसा नहीं हुआ है। पहले दिन से ही बॉक्स ऑफिस पर गदर मचाने वाली यह माइथोलॉजिकल फिल्म जल्द ही सिनेमाघरों में एक महीना पूरा करने वाली है। पहले दिन से कमाई के नए-नए रिकॉर्ड बनाने वाली साउथ मूवी बॉक्स ऑफिस पर अभी भी आयुष्मान खुराना की थामा और हर्षवर्धन राणे की एक दीवाने की दीवानियत के लिए खतरा बनी हुई है। ओटीटी रिलीज के बावजूद भी इस मूवी का क्रेज फैंस के बीच कम नहीं हुआ है और 29वें दिन इसने इंडिया में एक और नया रिकॉर्ड बना लिया है।

होम्बले फिल्म प्रोडक्शन के बैनर तले बनी ऋषभ शेट्टी और गुलशन देवैया स्टारर फिल्म कांतारा चैप्टर 1 को इंडिया में पांच भाषाओं तमिल, तेलुगु, हिंदी, कन्नड़ और मलयालम में रिलीज किया गया था। खास बात ये है कि इन सभी भाषाओं में फिल्म का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। साउथ में इस फिल्म का कलेक्शन भले ही लाखों में गिर गया है, लेकिन हिंदी में कांतारा चैप्टर 1 अब भी करोड़ों में खेल रही है। सैकनलिक डॉट कॉम की रिपोर्ट्स के मुताबिक, कांतारा चैप्टर 1 ने 29 दिनों में कन्नड़ में टोटल 193.62 करोड़, तेलुगु में 89.68 करोड़, हिंदी में 211.5 करोड़, तमिल में 61.93 करोड़ और मलयालम में 44.95 करोड़ का बिजनेस कर लिया है। 29वें दिन इस फिल्म ने सिर्फ हिंदी में ही 1.25 करोड़ के आसपास का सिंगल डे कलेक्शन किया है।

ऋषभ शेट्टी की फिल्म अब तक सैयारा से लेकर एक था टाइगर, सुल्तान, सहित कई बड़ी फिल्मों को कमाई के मामले में पीछे छोड़ते हुए लगातार रिकॉर्ड बना रही थी। अब इस मूवी ने 2025 की सबसे बड़ी फिल्म छावा को भी घरेलू बॉक्स ऑफिस पर कमाई के मामले में धूल चटा दी है। छावा ने इंडियन बॉक्स ऑफिस पर 600।10 करोड़ का कलेक्शन किया था। कांतारा चैप्टर 1 ने 29वें दिन छावा के कलेक्शन को क्रॉस करते हुए 601.68 करोड़ कमाकर बॉक्स ऑफिस पर एक नया रिकॉर्ड कायम कर दिया है।

बॉलीवुड | मन की बात

बाहरी लोग बॉलीवुड में नेपोटिज्म से कहीं ज्यादा संघर्ष करते हैं : फराह

अ क्सर खबरें आती है कि नेपोटिज्म के चलते यानि भाई-भतीजावाद के चलते किसी टैलेंटेड को काम नहीं मिल पाता है। ये बहस काफी पुरानी हो चुकी है और इस पर कई बार विवाद भी हुआ है। अब इस पर डायरेक्टर कॉरियोग्राफर फरान खान ने बात की है। फराह ने कुछ ऐसा कहा है, जिसे सुनने के बाद आप भी हैरान रह जाएंगे। फराह खान इस इंड्स्ट्री का सालों से हिस्सा रही हैं। उन्होंने मैं हूं ना और ओम शांति ओम जैसी फिल्में बनाई हैं। लेकिन हाल ही में फराह ने इनसाइडर्स वर्सेस आउटसाइडर्स पर बात की है। फराह ने कहा है कि बाहर के लोग जो इंड्स्ट्री में काम करने आते हैं, उनका कहीं ना कहीं स्टारकिड्स पर गुस्सा लाजमी है। फराह हाल ही में इस पर बात सानिया मिर्जा के पॉडकास्ट में की है। फराह ने कहा कि, मैं समझ सकती हूं कि जो लोग बाहर से मुंबई आते हैं, वो स्टारकिड्स और नेपो किड्स को लेकर थोड़ी सी नाराजगी और गुस्सा मन में रखते हैं और ये लाजमी भी है, क्योंकि उन्हें हर महीने कमाना है और अपना घर चलाना है। उनकी तुलना में स्टारकिड्स का संघर्ष कुछ नहीं है। इसके साथ ही फराह ने ये भी बताया कि उन्होंने अब अपना करियर सुरक्षित कर लिया है। जितनी मेहनत उन्होंने करियर के शुरूआत में फिल्में बनाने में की वो अब उससे ज्यादा मेहनत कर रही हैं। यूट्यूब पर व्लॉगिंग को लेकर फराह का कहना है कि वो खूब मेहनत करती हैं। ये उनकी मेहनत का ही नतीजा है कि उनके पास आज बड़े स्टार्स अपनी फिल्मों के प्रमोशन के लिए आ रहे हैं। आपको बता दें कि फराह खान अब भले ही फिल्में ना डायरेक्ट कर रही हों, लेकिन वो एक्टिव जरूर है। यूट्यूब पर वो काफी पॉपुलर हो चुकी हैं, उनके वीडियोज पर लाखों-करोड़ों व्यूज आते हैं। साथ ही महीने में लाखों कमा रही हैं।

भारत की इस ट्रेन में मुफ्त मिलता है खाना हर यात्री को मिलती है फ्री रोटी-सब्जी!

भारतीय रेलवे की दुनिया में जहां लंबी यात्राओं के दौरान खाने-पीने की चिंता हर यात्री को सताती है, वहीं एक ट्रेन ऐसी है जो इस चिंता को हमेशा के लिए दूर कर देती है। जी हां, हम बात कर रहे हैं सचखंड एक्सप्रेस (ट्रेन नंबर 12715) की, जो भारत की इकलौती ट्रेन है जहां हर क्लास के यात्री चाहे एसी कोच हो या स्लीपर को मुफ्त में नाश्ता, दोपहर का खाना और रात का भोजन मिलता है। यह परंपरा पिछले 29 सालों से चली आ रही है। सर्विस सिख धर्म की 'लंगर' की भावना पर आधारित है, जहां कोई भेदभाव नहीं होता। सचखंड एक्सप्रेस हजर साहिब नांदेड़ (महाराष्ट्र) से अमृतसर (पंजाब) के बीच चलती है, जो सिख तीर्थ स्थलों को जोड़ती है। यह ट्रेन करीब 2,000 किलोमीटर का सफर 33 घंटे में पूरा करती है और रास्ते में 39 स्टेशनों पर रुकती है। लेकिन खास बात यह है कि छह प्रमुख स्टेशनों पर स्थानीय गुरुद्वारों के स्वयंसेवक लंगर परोसते हैं। अपने सफर के दौरान वैसे तो ये ट्रेन कई स्टेशंस पर रूकती है लेकिन छह जगहों पर यहां खाना दिया जाता है। ये स्टेशन हैं। नई दिल्ली दिल्ली, भोपाल, परभणी, जलना, औरंगाबाद और मराठवाड़ा। यहां पर ताजा और शुद्ध शाकाहारी भोजन तैयार किया जाता है, जो गुरुद्वारों के दान से फंड होता है। रेलवे की कैटरिंग से इसका कोई लेना-देना नहीं है। यह पूरी तरह से स्वयंसेवी सेवा है। लंगर का मेन्यू बड़ा ही सादा लेकिन पौष्टिक होता है। नाश्ते में आमतौर पर खिचड़ी, दाल या पराठा-सब्जी मिलती है। वहीं दोपहर के भोजन में कढ़ी-चावल, छोले, दाल-रोटी या आलू-गोभी जैसी सब्जियां शामिल होती है। रात के खाने में चावल, दाल, रोटी-सब्जी या कभी-कभी पूरी-छोले मिलते हैं। हर भोजन के साथ चाय या दूध भी मुफ्त में मिल जाता है। यात्री अपने बर्तन साथ लाने की सलाह दी जाती है, ताकि स्वच्छता बनी रहे और सेवा सुचारू रूप से चले। ऐसा नहीं है कि अगर आपने इस ट्रेन के एसी कोच का टिकट लिया है, तभी आपको मुफ्त खाना मिलेगा। चाहे आप जनरल कोच में हों या थर्ड एसी में, सबको बराबर का भोजन मिलता है। यह ट्रेन ना सिर्फ यात्रियों को भोजन देती है, बल्कि समुदाय की एकता का प्रतीक भी है। इस ट्रेन की शुरुआत 1990 के दशक में हुई थी, जब सिख संगत ने तीर्थयात्रियों की सुविधा के लिए यह सेवा शुरू की। आज भी, गुरुद्वारों के भक्त और स्वयंसेवक स्टेशनों पर पहुंचकर भोजन पैक करते हैं और ट्रेन में चढ़कर वितरित करते हैं। खाने के कोई पैसे नहीं मांगते, बस सेवा का आशीर्वाद देते हैं। ऐसे में, यह ट्रेन लाखों यात्रियों के लिए यादगार बन जाती है।

अजब-गजब | भारत के इस गांव में बहती है उल्टी-गंगा

यहां वंश मां से चलता है, संपत्ति बेटियों को मिलती है और शादी के बाद दूल्हा ही चला जाता है ससुराल

भारत जैसे पुरुष प्रधान देश में, जहां बेटा जायदाद का हकदार माना जाता है और शादी में दुल्हन की विदाई का रिवाज है, मेघालय का खासी समुदाय एक अनोखा उदाहरण पेश करता है। यहां 'उल्टी गंगा' बहती है। वंश मां से चलता है, संपत्ति बेटियों को मिलती है और शादी के बाद दूल्हा ही ससुराल चला जाता है। यह मैट्रिलाइनियल सिस्टम, जो खासी, गारो और जैनतिया ट्राइब्स में प्रचलित है, महिलाओं को केंद्र में रखता है।

2025 में यूएन की रिपोर्ट के अनुसार, यह सिस्टम लिंग समानता का वैश्विक मॉडल है, जहां महिलाएं फैसले लेती हैं और पुरुष सहयोगी होते हैं। खासी ट्राइब, जो मेघालय की 48 प्रतिशत आबादी है, का इतिहास 5000 साल पुराना माना जाता है। यहां वंशावली मां से तय होती है। बच्चों का सरनेम मां का होता है। वहीं संपत्ति का हस्तांतरण सबसे छोटी बेटी 'का खदूह' को होता है जो परिवार की 'कीस्टोडियन' बनती है। अगर कोई बेटी ना हो, तो भतीजी को मिलती हो। पुरुषों को 'उ हेडार' कहा जाता है। वे संपत्ति के मालिक नहीं, सिर्फ संरक्षक होते हैं। शादी के बाद दूल्हा पत्नी के घर जाता है, अपनी मां का घर छोड़ कर। यह 'दूल्हे की विदाई' रिवाज समाज को मजबूत बनाता है क्योंकि महिलाएं घर की नींव मानी जाती हैं।

महिलाओं का राज यहां साफ दिखता है। परिवार के बड़े फैसले—जैसे शादी, संपत्ति बंटवारा आदि महिलाएं लेती हैं। लेकिन पुरुषों की भूमिका नगण्य नहीं है। मामा (कनी) का रोल महत्वपूर्ण होता है। वह भांजों का संरक्षक, शिक्षा-करियर का मार्गदर्शक होता है। एक अध्ययन के मुताबिक, खासी समाज में मामा-पुत्री का बंधन पितृसत्ता के पिता-पुत्र जैसा मजबूत है।

इस ट्राइब में शादी के रीति-रिवाज अनोखे है। यहां क्लैन एक्सोगेमस यानी मां के गोत्र में विवाह वर्जित है। अगर ऐसा किया गया तो सामाजिक बहिष्कार कर दिया जाता है। प्रेम विवाह प्रचलित है लेकिन परिवार की सहमति जरूरी है। दहेज नहीं लिया जाता बल्कि दुल्हन पक्ष उपहार देता है। 2025 में एक सर्वे में पाया गया कि खासी महिलाओं में तलाक दर कम है क्योंकि संपत्ति का हक उन्हें मजबूत बनाता है। मेघालय के तीन मैट्रिलाइनियल समुदाय—खासी (पूर्वी), गारो (पश्चिमी), जैनतिया (जैनतिया हिल्स) हैं जो इस सिस्टम को अपनाते हैं। गारो में 'महारी' यानी सबसे छोटी बेटी को संपत्ति मिलती है। जबकि जैनतिया में साझा विरासत होती है। लेकिन खासी सबसे प्रमुख है। यह सिस्टम पूर्वजों से चला आ रहा है जहां प्रकृति पूजा और एनिमिज्म में महिलाओं को देवी माना जाता है। शिलांग जैसे शहरों में भी यह जीवित है। हालांकि शहरीकरण से बदलाव आ रहे हैं।

एकबार फिर शीशमहल पर मचा घमासान

» पीएम की फर्जी यमुना की कहानी पकड़ी गई इसलिए बीजेपी बौखलाई: आप

चंडीगढ़ के आलीशान बंगले पर भाजपा व आप में तकरार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एकबार फिर शीशमहल पर घमासान मचा है। भाजपा ने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के कथित विलासिता के शौक को लेकर विवाद को फिर से हवा दे दी है। उन्होंने दावा किया है कि उन्होंने चंडीगढ़ में एक नया शीश महल बनवाया है। भाजपा नेताओं के अनुसार, आप प्रमुख को चंडीगढ़ के सेक्टर 2 में दो एकड़ का एक आलीशान सरकारी बंगला आवंटित किया गया है, जो आप के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार द्वारा प्रदान किया गया है। पार्टी सूत्रों ने इस आवास को सात सितारा सुविधा वाला बताया है और सवाल उठाया है कि एक राजनेता जो वर्तमान में किसी सार्वजनिक पद पर नहीं है, वह इतनी आलीशान संपत्ति का हकदार कैसे हो सकता है। आप की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल द्वारा सोशल मीडिया पर केजरीवाल पर तीखा हमला बोलने के बाद यह विवाद और तूल पकड़ गया। मालीवाल ने आरोप लगाया कि दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री ने पंजाब में दिल्ली से भी ज़्यादा भव्य शीश महल बनवाया है।

उन्होंने पंजाब सरकार पर केजरीवाल की सुविधाओं और उनकी यात्रा को सुगम बनाने के लिए राज्य के संसाधनों का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया। उन्होंने लिखा दिल्ली का शीश महल खाली होने के बाद केजरीवाल ने पंजाब में दिल्ली से भी ज़्यादा भव्य शीश महल बनवाया है। उन्होंने दावा किया कि पंजाब के मुख्यमंत्री के कोटे से एक सरकारी बंगला उन्हें अवैध और गैरकानूनी तरीके से आवंटित किया गया था। मालीवाल ने आगे दावा किया कि पंजाब सरकार ने केजरीवाल के निजी और राजनीतिक हितों की पूर्ति के लिए सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग किया है।

स्वाति मालीवाल ने आग में घी डाला

उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्व मुख्यमंत्री ने पार्टी के काम से अंबाला से गुजरात की अपनी हालिया यात्रा के लिए पहले सरकारी हेलीकॉप्टर और फिर पंजाब सरकार के निजी जेट का इस्तेमाल किया। उन्होंने कहा कि पूरी पंजाब सरकार एक आदमी की सेवा में व्यस्त है। उन्होंने यह भी कहा कि आप के संयोजक की सेवा के लिए राज्य की प्राथमिकताओं से समझौता किया जा रहा है। भाजपा के दावों को आम आदमी पार्टी ने फर्जी बताया है। इतना ही नहीं आप ने भाजपा से अलॉटमेंट लेटर दिखाने की चुनौती दी है। दिल्ली आप के एक्स हैंडल पर लिखा गया है कि जब से प्रधानमंत्री की फर्जी यमुना की कहानी पकड़ी गई है, बीजेपी बौखला सी गई है। और बौखलाहट में बीजेपी आजकल सबकुछ फर्जी कर रही है। फर्जी यमुना, फर्जी प्रदूषण के आंकड़े, फर्जी बारिश के दावे, और अब फर्जी 7 स्टार दावा। बीजेपी का फर्जी दावा है कि चंडीगढ़ में 7 स्टार घर बनवा दिया, लेकिन चंडीगढ़ का एडमिनिस्ट्रेशन तो बीजेपी के पास है। वही कुछ बनवा सकते हैं कोई और नहीं। बीजेपी का फर्जी दावा है कि केजरीवाल को कोई घर अलॉट हो गया है, तो कहां है।

भाजपा ने पंजाब में नया बंगला बताकर शेयर की सैटेलाइट तस्वीर

दिल्ली भारतीय जनता पार्टी ने एक बंगले की एक्स सोशल मीडिया पर सैटेलाइट इमेज को साझा की है। और लिखा है कि, बिग ब्रेकिं ग- आम आदमी का ढोंग करने वाले केजरीवाल ने तैयार करवाया एक और भव्य शीशमहल। दिल्ली का शीश महल खाली होने के बाद पंजाब के सुपर सीएम अरविंद केजरीवाल जी ने पंजाब में दिल्ली से भी शानदार शीश महल तैयार करवा लिया है। चंडीगढ़ के सेक्टर 2 में सीएम कोटे की 2 एकड़ की आलीशान 7 स्टार सरकारी कोठी अरविंद केजरीवाल जी को मिल गई है।

दिल्ली बीजेपी अध्यक्ष का आरोप

दिल्ली बीजेपी अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने आरोप लगाया कि अरविंद केजरीवाल चंडीगढ़ में एक विशाल बंगले का उपयोग कर रहे हैं, जबकि कागजों में यह पंजाब के मुख्यमंत्री का कैंप ऑफिस दिखाया गया है। उन्होंने कहा कि इस दावे को पंजाब और दिल्ली पुलिस के वीआईपी मूवमेंट रिकॉर्ड से साबित किया जा सकता है। सचदेवा ने कहा कि जैसे ही यह जानकारी सामने आई, आम आदमी पार्टी के नेता बौखला गए और बिना तथ्यों के बयान देने लगे। सचदेवा ने आप के दिल्ली अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज पर भी निशाना साधते हुए कहा कि वे भोलेपन से बंगला आवंटन नकार रहे हैं, जबकि तथ्य उनके बयानों को गलत साबित करते हैं। उन्होंने सवाल किया कि जब दिल्ली का शीशमहल खाली हुआ था, तब केजरीवाल जिस पांच, फिरोजशाह रोड स्थित बंगले में रहे, क्या वह उन्हें आवंटित था?

बीआरएस और भाजपा नहीं चाहती तेलंगाना का विकास : रेवंत रेड्डी

» मुख्यमंत्री का बड़ा खुलासा- दोनों पार्टियों का गुप्त गठजोड़

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच एक 'गठजोड़' होने का आरोप लगाया। रेड्डी ने इसके साथ ही बीआरएस अध्यक्ष के. चंद्रशेखर राव और केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी पर कांग्रेस सरकार के खिलाफ 'अफवाहें' फैलाने और राज्य के विकास में 'बाधाएं' खड़ी करने का आरोप भी लगाया। रेवंत रेड्डी ने जुबली हिल्स विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस पार्टी उम्मीदवार वी. नवीन यादव के समर्थन में चुनाव प्रचार की शुरुआत करते हुए आरोप लगाया कि किशन रेड्डी हैदराबाद मेट्रो रेल परियोजना के विस्तार और मुसी पुनर्जीवन परियोजना में बाधा डालकर हैदराबाद के विकास को बाधित कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, भाजपा नेताओं के बीआरएस के साथ गुप्त संबंध हैं और 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा की आठ सीट पर जीत इसका सबूत है। उन्होंने सवाल किया, क्या दो केंद्रीय मंत्री (किशन रेड्डी और बंडी संजय कुमार) राज्य के लिए कोई धनराशि लेकर आए? उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सांसद जुबली हिल्स में चुनाव प्रचार तो कर रहे हैं लेकिन तेलंगाना के विकास के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से धनराशि की मांग नहीं कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस ने उपचुनाव जीतने के बाद सिकंदराबाद छावनी क्षेत्र में 4,000 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाएं शुरू की हैं। उन्होंने जुबली हिल्स के मतदाताओं से कांग्रेस उम्मीदवार नवीन यादव का समर्थन करने की अपील की। जुबली हिल्स विधानसभा क्षेत्र में उपचुनाव के लिए मतदान 11 नवंबर को होगा और मतों की गिनती 14 नवंबर को होगी।

आरएसएस-बीजेपी की वजह से देश की कानून व्यवस्था हो रही खराब: खरगे

» कांग्रेस अध्यक्ष ने की संघ पर प्रतिबंध लगाने की मांग पीएम मोदी को लिखा पत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने आरएसएस पर प्रतिबंध लगाने की बात कही है। देश के पहले उप-प्रधानमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के मौके पर उन्हें याद करते हुए खरगे ने कहा कि सरदार पटेल ने आरएसएस पर प्रतिबंध लगाया था। खरगे से पहले सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भी कहा था कि आज भी किसी सरदार की जरूरत है जो फिर से उस विचारधारा पर प्रतिबंध लगाए जिससे बीजेपी का जन्म हुआ।

अखिलेश के बयान को लेकर पूछे जाने पर खरगे ने कहा कि मेरी निजी राय है कि आरएसएस पर प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए क्यूंकि देश में ज्यादातर कानून व्यवस्था की समस्याएं बीजेपी-आरएसएस की वजह से पैदा हो रही हैं। आरएसएस प्रमुख गोलवलकर को लिखे सरदार पटेल के पत्र का हवाला देते हुए खरगे ने कहा कि अपने पत्र में सरदार पटेल ने जिक्र किया कि गांधी की हत्या के बाद आरएसएस कार्यकर्ताओं ने जश्न मनाया और मिठाई बांटी। आरएसएस और हिंदू महासभा की गतिविधियों के कारण देश में बने माहौल के परिणामस्वरूप गांधी की हत्या हुई। इन वजहों से आरएसएस पर प्रतिबंध लगाने के अलावा कोई रास्ता नहीं बचा।

खरगे के आरएसएस को लेकर दिए बयान पर भाजपा भड़की

खरगे के आरएसएस को लेकर दिए बयान के जवाब में केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि लोकतंत्र में असहमति पर पूरे देश को जेलखाना बना देने वाली यह कांग्रेसी मानसिकता द्वारा आरएसएस पर प्रतिबंध लगाने की बात करना कोई पहला अवसर नहीं है। पहले भी इन लोगों ने अपनी सत्ता और तुष्टिकरण की राजनीति को बचाए रखने के लिए आरएसएस पर प्रतिबंध लगाने की कोशिश की है। ये वही लोग है, जो पीएफआई जैसे आतंकी संगठनों को अपनी राज्य सरकारों के दौरान बढ़ावा देते हैं। वहीं दूसरी तरफ संघ के खिलाफ हमेशा जहर उगलने का काम करते हैं। मगर संघ मां भारती की सेवा में निरंतर आगे बढ़ता रहा है। ऐसी कांग्रेसी धमकियों के बावजूद आरएसएस ने अपने गौरवशाली 100 वर्षों की राष्ट्रसेवा की यात्रा पूरी की है, जिसका साथी पूरा देश है।

राज्य के दर्जे को लेकर जम्मू कश्मीर में रार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने उपराज्यपाल मनोज सिन्हा की राज्य के दर्जे पर टिप्पणियों को लेकर कुछ कहने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि वह उपराज्यपाल के बयान पर गौर करने के बाद ही कोई प्रतिक्रिया देंगे। इससे पहले उपराज्यपाल ने कहा कि जम्मू कश्मीर को राज्य का दर्जा न मिलने को 'कम प्रदर्शन' का बहाना नहीं बनाया जा सकता क्योंकि निर्वाचित सरकार के पास सभी शक्तियां हैं।

इस पर अब्दुल्ला ने कहा कि उन्होंने सिन्हा का बयान पढ़ा नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा, सबसे पहले मैं यह देखना चाहूंगा कि उन्होंने कौन-से शब्द इस्तेमाल किए हैं क्योंकि अगर उन्होंने जो कहा है और आप जो कह रहे हैं, उसमें अंतर है तो अगर मैं कुछ गलत कहूंगा तो यह अच्छा नहीं होगा।'

पहला खिताब जीतने के इरादे से उतरेगा भारत

» विश्वकप के फाइनल में कभी नहीं भिड़े भारत और द.अफ्रीका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। महिला वनडे विश्वकप के खिताब के लिए रविवार को नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में भारत और दक्षिण अफ्रीका की टीमों के बीच टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। इन दोनों ही टीमों ने कभी विश्व कप का खिताब नहीं जीता है, इसलिए ये तय है कि इस बार महिला क्रिकेट को नया चैंपियन मिलेगा। वहीं भारत पहला खिताब जीतने के इरादे से उतरेगा।

दक्षिण अफ्रीका का सामना जहां सेमीफाइनल में इंग्लैंड से था तो वहीं भारत के सामने सात बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलियाई टीम थी। इसके बावजूद भारत और दक्षिण अफ्रीका के इरादे नहीं डगमाए और इन दोनों ने सेमीफाइनल की बाधा को पार किया और खिताबी मुकाबले में प्रवेश करने में सफल रहीं। अब दोनों ही टीमें अपने पहले विश्व कप खिताब से एक कदम की दूरी पर हैं। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच महिला विश्व कप के फाइनल में कभी आमना-सामना नहीं हुआ है। लेकिन दोनों ही टीमें छह बार महिला विश्व कप में एक दूसरे के खिलाफ खेली हैं। भारत और दक्षिण अफ्रीका इस टूर्नामेंट में बराबरी पर हैं क्योंकि दोनों ही टीमों ने तीन-तीन बार एक दूसरे के खिलाफ जीत दर्ज की है।

कंगारुओं ने टी20 सीरीज में 1-0 की बनाई बढ़त

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे टी20 में भारत को चार विकेट से हरा दिया है। जीत के लिए मिले 126 रन के लक्ष्य को ऑस्ट्रेलिया ने 13.2 ओवर में छह विकेट गंवाकर हासिल कर लिया। इस जीत के साथ कंगारुओं ने पांच मैचों की टी20 सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। पहला टी20 बारिश के कारण रद्द हो गया था। अब तीसरा टी20 दो नवंबर को खेला जाएगा। यह गेंद शेष रहने के मामले में टी20 में भारत की दूसरी सबसे बड़ी हार है। ऑस्ट्रेलिया ने 40 गेंद शेष रहते भारत को हराया। पहले नंबर पर भी ऑस्ट्रेलिया ही है। उसने 2008 में भारत को 52 गेंद शेष रहते हराया था। भारत की ओर से अभिषेक शर्मा ने 37 गेंद में आठ चौके और दो छक्कों की मदद से 68 रन की पारी खेली। वहीं, हर्षित राणा ने 33 गेंद में 35 रन बनाए। इसके अलावा कोई बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा नहीं छू सका। बाकी के नौ खिलाड़ियों में से चार खिलाड़ी तो खाता भी नहीं खोल सके। इनमें तिलक वर्मा, कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती और जसप्रीत बुमराह शामिल हैं। शुभमन गिल पांच रन, संजू सैमसन दो रन और कप्तान सूर्यकुमार एक रन बना सके।

मोकामा गोलीकांड से सियासी पारा चढ़ा

» दुलारचंद यादव के पोस्टमार्टम रिपोर्ट में डॉक्टर ने किया खुलासा

» राजद ने अनंत को फांसी देने की मांग की,चुनाव आयोग ने भी किया दखल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में चुनावी सरगर्मी के बीच मोकामा गोलीकांड ने सियासी पारा बढ़ा दिया है। चुनाव प्रचार के दौरान हुई फायरिंग में दुलारचंद यादव की मौत के बाद चुनाव आयोग ने मामले को गंभीर मानते हुए डीजीपी से रिपोर्ट तलब की है।

वहीं दुलारचंद यादव की हत्या के बाद उनके अंतिम यात्रा में भी जमकर बवाल हुआ। अब पोस्टमोर्टम रिपोर्ट भी आ गई है, जिसमें डॉक्टर ने एक बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि आज दुलारचंद यादव का अनुमंडलीय अस्पताल में तीन सदस्यीय टीम के द्वारा पोस्टमार्टम किया गया। इस टीम में डॉ अजय कुमार, डॉ रोहन और डॉ दिलीप शामिल थे। अनुमंडलीय अस्पताल में पोस्टमार्टम करने वाले डॉ अजय कुमार ने बताया कि दुलारचंद यादव की पोस्टमोर्टम रिपोर्ट आ गई है, जिसे हमने सरकार के पास भेज दिया है। अब तक के रिपोर्ट में जो बात सामने आई, वह यह है कि उन्हें अंदरूनी चोट थी। बाएं पैर में गोली लगी है, लेकिन उस गोली से मौत नहीं हो सकती। गोली ठेहुना के आर-पार हो गई थी। पूरे शरीर में चोट लगी थी। सीने में भी चोट थी। 10-12 एक्स-रे भी किया गया है, जिसका रिपोर्ट आना अभी बाकी है।

दुलारचंद की अंतिम यात्रा में बवाल

दोपहर में दुलारचंद की अंतिम यात्रा निकाली गई थी, जिसमें बड़ी संख्या में लोग लाठी-डंडे लेकर निकले। गुस्साए लोग अनंत सिंह को फांसी दो के नारे लगाने लगे। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और फिर कड़ी मशक्कत के बाद मामले को शांत कराया। हालांकि मामला शांत नहीं हुआ और हंगामा शाम तक होता रहा। मृत गुलाबचंद के परिजनों ने कहा कि यह घटना सब लोगों ने देखा कि किस तरह से इस घटना को अंजाम दिया गया है। इस संबंध में जन सुराज पार्टी के उम्मीदवार ने चुनाव आयोग ने चुनाव आयोग से यह मांग करते हुए कहा कि सबसे पहले आरोपी अनंत सिंह और गोली मारने वाले आरोपी को पुलिस गिरफ्तार कर जेल भेजे और फिर अनंत सिंह को फांसी हो। उन्होंने चुनाव आयोग से अपील करते हुए कहा कि अनंत सिंह की उम्मीदवारी को अविलंब रद्द किया जाय।

चुनाव आयोग ने मांगी विस्तृत रिपोर्ट

मोकामा में चुनाव प्रचार के दौरान हुई फायरिंग में दुलारचंद यादव की मौत के मामले को लेकर चुनाव आयोग ने बिहार के डीजीपी से रिपोर्ट तलब की है। मंगलवार को मोकामा में चुनाव प्रचार के दौरान दो पक्षों के बीच गोलीबारी हुई, जिसमें दुलारचंद यादव की मौके पर ही मौत हो गई।

कर्नाटक में राज्य स्थापना दिवस पर सियासत गरमाई

» केंद्र सरकार कर्नाटक के साथ सौतेला व्यवहार कर रही है : सिद्धरमैया

» मुख्यमंत्री बोले- कन्नड़ की उपेक्षा कर रही है मोदी सरकार, थोप रही है हिंदी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरू। कर्नाटक में राज्य स्थापना दिवस पर सियासत गरमा गई। राज्य की कांग्रेस सरकार ने केंद्र सरकार व भाजपा पर करारा वारकिया है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने शनिवार को केंद्र सरकार पर कन्नड़ की उपेक्षा करने और हिंदी थोपने का आरोप लगाया। उन्होंने राज्य के लोगों से 'कन्नड़-विरोधी' ताकतों का विरोध करने का भी आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने राज्य स्थापना दिवस (राज्योत्सव दिवस) के अवसर पर राजधानी में आयोजित कार्यक्रम में कहा, केंद्र सरकार कर्नाटक के साथ सौतेला व्यवहार कर रही है।

उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य केंद्र को 4.5 लाख करोड़ रुपये का राजस्व देता है, लेकिन उसे उसका उचित हिस्सा नहीं मिलता और बदले में बहुत ही मामूली राशि दी जाती है। कन्नड़ के साथ अन्याय होने का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, हिंदी थोपने के लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। हिंदी और संस्कृत के विकास के लिए अनुदान दिए जाते हैं, जबकि देश की अन्य भाषाओं की उपेक्षा की जा रही है। कन्नड़ और उसकी संस्कृति को नयी ऊंचाइयों पर ले जाने की आवश्यकता पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा में कन्नड़ की उपेक्षा के कारण कई समस्याएं उत्पन्न हुई हैं। उन्होंने कहा, विकसित देशों के बच्चे अपनी मातृमें सोचते, पढ़ते-लिखते और सपने देखते हैं, लेकिन यहां स्थिति इसके विपरीत है। अंग्रेज़ी और हिंदी हमारे बच्चों की प्रतिभा को कमजोर कर रही हैं। सिद्धरमैया ने कहा, इसलिए मातृको शिक्षा के माध्यम के रूप में लागू करने के लिए कानून बनाने की आवश्यकता है। मैं इस दिशा में केंद्र से गंभीरता से विचार करने का आग्रह करता हूं।

राज्य के विकास के लिए आवश्यक धन से वंचित किया जा रहा

उन्होंने यह भी कहा कि कर्नाटक को राज्य के विकास के लिए आवश्यक धन से वंचित किया जा रहा है। सिद्धरमैया ने कहा,कन्नड़ जैसी शास्त्रीय के विकास के लिए पर्याप्त धनराशि नहीं दी जा रही, जिससे उसके साथ अन्याय हो रहा है। हमें उन सभी का विरोध करना चाहिए जो कन्नड़-विरोधी हैं।

हर कार्यालय में फहराया जाए राष्ट्रीय ध्वज के साथ कर्नाटक का झंडा : डीके शिवकुमार

कर्नाटक के 70वें राज्योत्सव के अवसर पर उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने एक विशेष घोषणा करते हुए कहा कि अब राज्य के सभी सरकारी व निजी प्रतिष्ठानों में राष्ट्रीय ध्वज के साथ-साथ कर्नाटक का ध्वज भी फहराया जाएगा।

शिवकुमार ने कहा कि कर्नाटक सभी समुदायों और पृष्ठभूमि के लोगों को अपनाने वाला राज्य है, जिसकी सबसे बड़ी ताकत इसकी संस्कृति और परंपरा है। उन्होंने कहा हमारी माता भुवनेश्वरी सभी का स्वागत करती हैं। कर्नाटक आज विविधता में एकता का प्रतीक बन चुका है। हमारे राज्य की नदियां, संसाधन और रोजगार अवसर इसे सबका घर बनाते हैं। इसी समृद्ध परंपरा का सम्मान करते हुए हम चाहते हैं कि हर कार्यालय में कर्नाटक का झंडा भी लहराए। उन्होंने आगे कहा कि अगले साल से सभी सरकारी कार्यालयों, संस्थानों और निजी प्रतिष्ठानों में एक माह के लिए कन्नड़ ध्वज लगाने का अभियान चलाया जाएगा ताकि लोग राज्य की सांस्कृतिक पहचान से और गहराई से जुड़ सकें।

राजस्थान व यूपी में मौत बनी तेज रफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोटा। राजस्थान व यूपी में तेज रफ्तार ने चारलोगों की जान ले ली। कोटा के पास इटावा में शनिवार सुबह एक स्कूल वैन और एसयूवी की भीषण टक्कर में दो मासूम छात्राओं की दर्दनाक मौत हो गई। इस हादसे में पांच अन्य छात्र गंभीर रूप से घायल हुए, जिसे चश्मदीदों ने स्कूल वैन का टायर फटने के कारण हुआ बताया। कोटा से करीब 80 किलोमीटर दूर इटावा कस्बे के पास शनिवार सुबह एक निजी स्कूल की वैन और एक स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल (एसयूवी) की टक्कर हो गई।

घटना में दो छात्राओं की मौके पर ही मौत हो गई जबकि पांच अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। पुलिस ने यह जानकारी दी। इटावा के पुलिस उपाधीक्षक (डीसीपी) शिवम जोशी ने बताया कि यह दुर्घटना सुबह करीब आठ बजे हुई जब एक स्कूल की वैन 10 से 12 छात्रों को लेकर गैता गांव से इटावा स्थित एक निजी स्कूल जा रही थी। कस्बे के पास वैन का संतुलन बिगड़ने से वह बूंदी की ओर जा रही एक एसयूवी से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों वाहन पलट गए। स्कूल वैन का टायर फटने के बाद वह संतुलन खो बैठी थी। मृत छात्राओं की पहचान 15 वर्षीय तनु धाकड़ और आठ वर्षीय पारुल आर्य के रूप में हुई है।

हैदराबाद एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। हैदराबाद में राजीव गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट (आरजीआईए) को शनिवार सुबह बम की धमकी वाला ईमेल मिला, जिसके बाद अधिकारियों ने इंडिगो की फ्लाइट को पास के एयरपोर्ट पर डायवर्ट कर दिया।

इंडिगो की फ्लाइट डायवर्ट

राजीव गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट के एक अधिकारी के अनुसार, 01.11.2025 को एक मैसेज मिला कि कस्टमर सपोर्ट को एक ईमेल मिला है। ईमेल आईडी पपीता राजन से 05.25 बजे ये मेल भेजा गया जिसका सब्जेक्ट था। इंडिगो 68 की हैदराबाद जाने वाली लैंडिंग रोकें। ईमेल में लिखा था, एलटीटीई व आईएसआईके गुर्गों ने 1984 के मद्रास एयरपोर्ट कार्यप्रणाली शैली में एक बड़ा धमाका करने की योजना बनाई है। यह धमाका पोर्ट के फ्यूजलेज और माइक्रोबॉट्स से फिक्स किए गए फ्यूल टैंक पर किया जाएगा। आईईडी में ताकतवर नर्व गैस होगी। फ्रैंकफर्ट ऑपरेशन उपायों का अध्ययन के लिए एक टेस्ट है। आईईडी की लोकेशन की जानकारी के लिए कृपया नीचे दिया गया स्टेग्नोग्राफिक डॉक्यूमेंट पढ़ें, लाइनों के बीच में पढ़ें।

धमकी मिलने के बाद बम खतरा आकलन समिति (बीटीएसी) ने एक वर्चुअवली मीटिंग की और इसे एक खास खतरा बताया। समिति ने फैसला लिया कि फ्लाइट को सबसे पास वाले एयरपोर्ट पर डायवर्ट किया जाएगा और फ्लाइट के कैप्टन को एटीसी के माध्यम से जानकारी दी जाएगी। कैप्टन लैंडिंग की जानकारी एयरपोर्ट को देगा। साथ ही जीएमआर सिक्योरिटी पुलिस में शिकायत दर्ज करेगी।

राजस्थान अब केंद्र शासित प्रदेश जैसा हो गया : डोटासरा

» भजन सरकार पर आरएसएस का कंट्रोल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने जयपुर स्थित इंदिरा गांधी भवन में पूर्व प्रधानमंत्री स्व. इंदिरा गांधी के बलिदान दिवस और सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर सर्वधर्म प्रार्थना सभा और पुष्पांजलि कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, पार्टी पदाधिकारी, विधायक और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में शामिल हुए।

डोटासरा ने कहा कि इंदिरा गांधी और सरदार पटेल ने अपने साहस और दृढ़ इच्छाशक्ति से भारत को वैश्विक स्तर पर नई पहचान दिलाई। उन्होंने कहा कि जब इंदिरा गांधी ने पाकिस्तान के दो टुकड़े किए, तब उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति से बात तक करने से इनकार कर दिया था। लेकिन आज की सरकार अमेरिका के दबाव में

पाकिस्तान के खिलाफ 'ऑपरेशन सिंदूर' रोक देती है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने मोदी सरकार और आरएसएस पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि आरएसएस जनता से वोट नहीं मांगता, फिर भी सरकार पर उसका नियंत्रण है। राजस्थान अब केंद्र शासित प्रदेश जैसा हो गया है, जहां नौकरशाही हावी है और मुख्यमंत्री तक की नहीं सुनी जा रही। डोटासरा ने आरोप लगाया कि भाजपा वोट चोरी कर सत्ता में आई है और अब लोकतंत्र को कमजोर कर रही है।

देश में अघोषित आपातकाल जैसे हालात

उन्होंने कहा, देश में अघोषित आपातकाल जैसे हालात हैं – सरकार की आलोचना करने पर पत्रकारों, नेताओं और नागरिकों पर मुकदमे दर्ज हो रहे हैं। एजेंसियों का राजनीतिक इस्तेमाल चरम पर है। उन्होंने राजस्थान की प्रशासनिक व्यवस्था पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि राज्य में अब एक डीजी नहीं, बल्कि कई डीजी बनाकर कानून व्यवस्था को पूरी तरह कमजोर कर दिया गया है। मंत्री अपने दौरे पर जाते हैं तो उनसे मिलने तक लोग नहीं आते, क्योंकि जनता को सरकार पर भरोसा नहीं रहा। डोटासरा ने कहा कि आज हर कांग्रेस कार्यकर्ता को इंदिरा गांधी और सरदार पटेल के साहस, अनुशासन और देशभक्ति से प्रेरणा लेकर कार्य करना चाहिए। उन्होंने राहुल गांधी के नेतृत्व में केंद्र की गलत नीतियों के खिलाफ मजबूती से आवाज उठाने का संकल्प दोहराया।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।